Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

SYLLABUS AND PROGRAMME / COURSE OUTCOMES

DEPARTMENT OF HINDI

SR.NO.	PAPER NUMBER	SEMESTER	PAPER CODE	NAME OF THE PAPER
1	COMP.	I	UAHINCOM 101	COMPULSORY HINDI
2	COMP.	II	UAHINCOM 201	COMPULSORY HINDI
3	I	I	UAHIN 101	ANCILLARY HINDI
4	I	II	UAHIN 201	ANCILLARY HINDI
5	II	III	UAHIN 301	HINDI PAPER NO II
6	II	IV	UAHIN 401	HINDI PAPER NO II
7	III	III	UAHIN 302	HINDI PAPER NO III
8	III	IV	UAHIN 402	HINDI PAPER NO III
9	IV	V	UAHIN 501	HISTORY OF HINDI LITERATURE

Edit with WPS Office

10	IV	VI	UAHIN 601	HISTORY OF MODERN HINDI LITERATURE
11	V	V	UAHIN 502	POST INDEPENDENCE HINDI LITERATURE
12	V	VI	UAHIN 602	POST INDEPENDENCE HINDI LITERATURE
13	VI	V	UAHIN 503	INFORMATION TECHNOLOGY IN HINDI
14	VI	VI	UAHIN 603	SOCIAL MEDIA
15	VII	V	UAHIN 504	LITERARY CRITICISM:PROSODY AND RHETORICS
16	VII	VI	UAHIN 604	LITERARY CRITICISM:PROSODY AND RHETORICS
17	VIII	V	UAHIN 505	LINGUISTICS: HINDI LANGUAGE AND GRAMMAR
18	VIII	VI	UAHIN 605	LINGUISTICS: HINDI LANGUAGE AND GRAMMAR
19	IX	V	UAHIN 506	MASS MEDIA
20	IX	VI	UAHIN 606	MASS MEDIA

Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE,KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus

COMPULSORY HINDI

Programme: B. A. (CBCS) Course: FYBA COMPULSORY HINDI

Program Code: 3A00141 & 3A00142 Course Code: UAHINCOM 101 & 201

(As per the Credit Based Semester and Grading System with effect from the academic year 2019-2020)

Year : 2021-22 Semester : I and II

Programme Outcomes:

- विद्यार्थियों को हिंदी की आधुनिक कालीन गद्य-पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन-शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराते हुए साहित्य के सामाजिक मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण-चेतना को समृद्ध कराना।
- विद्यार्थियों को कविता और कहानी विधाओं के अतिरिक्त हिन्दी के प्रमुख साहित्यकारों से परिचित कराना।
- अनुवाद और पत्र लेखन की कला का ज्ञान देना।
- विद्यार्थियों की भाषा को समृद्ध करना।
- निबंध लेखन और संवाद लेखन द्वारा भावों एवं विचारों की अभिव्यक्ति में सक्षम बनाना।
- मुहावरों और व्याकरण के माध्यम से विद्यार्थियों की भाषा को समृद्ध करना।
- विद्यार्थियों में लेखन के दौरान होने वाली अशुद्धियों को दूर करना।

Course Outcomes:

- विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।

Edit with WPS Office

- ❖ विद्यार्थियों में नये वैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
- ❖ विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक- कौशल को बढावा मिलेगा, साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड सकेंगे, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ सकेंगे।
- ❖ विद्यार्थियों में मानवीय सभ्यता संवेदना उनके विकास के साथ नवीन सामाजिक सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों का विकास होगा जिससे विद्यार्थी अधिक उदार चेतना संपन्न तथा जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

SEM-I

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1) काव्य सरिता : संपादन:हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, परिदृश्य प्रकाशन मरीन लाईन्स मुंबई-400002

1. भारत माता का मंदिर - मैथिलीशरण गुप्त
2. सब जीवन बीता जाता है - जयशंकर प्रसाद
3. भर देते हो - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
4. बापू के प्रति - सुमित्रानंदन पंत
5. यह मंदिर का दीप - महादेवी वर्मा
6. शक्ति और क्षमा - रामधारी सिंह 'दिनकर'
7. पुष्प की अभिलाषा - माखनलाल चतुर्वेदी
8. वे और तुम – नागार्जुन
9. रीढ़ की हड्डी - हरिवंशराय बच्चन
10. आज का दैनिक - भवानी प्रसाद मिश्र

2) कथा दर्पण : संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई, अमन प्रकाशन, रामबाग, कानपुर-208012

1. मनोवृत्ति – प्रेमचंद
2. व्रतभंग - जयशंकर प्रसाद
3. प्रलय की रात्रि – सुदर्शन
4. इनाम - जैनेन्द्रकुमार
5. महादान - यशपाल
6. प्रायश्चित - भगवतीचरण वर्मा
7. ठेस - फणीश्वरनाथ रेणु

Edit with WPS Office

8. निष्कासित - गोविंद मिश्र

पत्र लेखन :-

अनौपचारिक : बधाई, निमंत्रण, क्षमा याचना पत्र

औपचारिक :आवेदन, सुझाव, संपादक के नाम (शिकायती एवं सुझाव पत्र)

भाषा ज्ञान :- वर्तनी की शुद्धता, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया शब्दों को वाक्य में पहचानना

अनुवाद (अंग्रेजी से हिन्दी में)

SEM-II

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

काव्य सरिता : संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, परिदृश्य प्रकाशन मरीन लाईन्स मुंबई-400002

11. मेरा नया बचपन - सुभद्राकुमारी चौहान
12. आया बसंत - सोहनलाल द्विवेदी
13. हम जरूर जीतेंगे - अज्ञेय
14. हम पंछी उन्मुक्त गगन के - शिवमंगल सिंह 'सुमन'
15. कहीं पे धूप की चादर - दुष्यंत कुमार
16. कागज कलम और स्याही - कुँवर नारायण
17. जडें - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
18. स्त्री - सुशीला टाकभोरे
19. अपने घर की तलाश - निर्मला पुतुल
20. मन कितना अभिनय शेष रहा - भारत भूषण

2) कथा दर्पण : संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई, अमन प्रकाशन, रामबाग, कानपुर-208012

9. ताई - विश्वंभरनाथ शर्मा 'कौशिक'
10. सजा - मन्नू भंडारी
11. पिता - ज्ञानरंजन
12. माता-विमाता - भीष्म साहनी
13. वे तीन घर - काशीनाथ सिंह
14. दादी अम्मा - कृष्णा सोबती

Edit with WPS Office

15. हैरिटेज - मोहनदास नैमिशराय

16. पाँचवाँ बेटा - नासिरा शर्मा

निबंध लेखन :-सामाजिक, समसामयिक, शैक्षणिक, वैचारिक, आत्मकथात्मक निबंध

भाषा ज्ञान :- लिंग, वचन, पर्यायवाची शब्द, विलोमार्थी शब्द, मुहावरों का वाक्य में प्रयोग

संवाद लेखन / अपठित गद्यांश

: Question Paper Pattern :

दोनों सत्रों के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप

कुल अंक: 100 समय: ३ घंटे

प्रश्न 1. संदर्भ सहित व्याख्या (कविता और कहानी दोनों में से विकल्प सहित)	20 अंक
प्रश्न 2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (कविता और कहानी दोनों में से विकल्प सहित)	30 अंक
प्रश्न 3. टिप्पणियाँ (कविता और कहानी दोनों में से विकल्प सहित)	10 अंक
प्रश्न 4. वस्तुनिष्ठ प्रश्न १० (कविता और कहानी दोनों में से)	10 अंक
प्रश्न 5. पत्र लेखन (दो में से एक)	10 अंक
प्रश्न 6 (अ) भाषा ज्ञान	10 अंक
1. वर्तनी की शुद्धता	
2. संज्ञा	
3. सर्वनाम	
4. विशेषण	
5. क्रिया	
(आ) अनुवाद (अंग्रेजी से हिन्दी में)	10 अंक

Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE,KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus

ANCILLARY HINDI

Programme: B. A. (CBCS) COURSE: FYBA Hindi P.- I

Program Code: 3A00141 & 3A00142 Course Code: UAHIN 101 & 201

(As per the Credit Based Semester and Grading System with effect from the academic year 2019-2020)

Year : 2021-22 Semester : I and II

Programme Outcomes:

- विद्यार्थियों को हिंदी की आधुनिक कालीन गद्य-पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन-शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराते हुए साहित्य के सामाजिक मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण-चेतना को समृद्ध कराना।
- विद्यार्थियों को गद्य विधाओं की प्रचलित रचना कहानी, निबंध आदि के अतिरिक्त आत्मकथा जीवनी, संम्मरण, यात्रा वृतात और रेखाचित्र आदि नवीनतम विधाओं से परिचित कराना।
- हिंदी कहानी के आरंभ से लेकर अद्यतन कहानी की प्रवृत्तियों एवं कहानी के विकास से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को नवीन गद्य विधाओं के स्वरूपविवेचन- तथा विशेषताओं से परिचय कराना।
- विद्यार्थियों को उपन्यास के स्वरूप विवेचन तथा विशेषताओं से परिचय कराना।

Course Outcomes:

- विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में नये वैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।

Edit with WPS Office

- ❖ विद्यार्थियों में मानवीय सभ्यता संवेदना उनके विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों का विकास होगा जिससे विद्यार्थी अधिक उदार चेतना संपन्न तथा जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।
- ❖ विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक- कौशल को बढावा मिलेगा, साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड सकेंगे, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ सकेंगे।

SEM-I

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1) कथा संचयन : संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

1. उसने कहा था - चन्द्रघर शर्मा 'गुलेरी'
2. परीक्षा - प्रेमचन्द
3. चित्र का शीर्षक - यशपाल
4. दिल्ली में एक मौत - कमलेश्वर
5. फैसला - भीष्म साहनी
6. बहादुर - अमरकांत
7. आस्था के आयाम - मालती जोशी
8. बेटी- मैत्रेयी पुष्पा
9. परदेसी- ममता कालिया
10. निर्वासित -सूर्यबाला

2) गद्य के विविध आयाम : संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई,

राजकमल प्रकाशन-1 , बी. नेताजी सुभाष मार्ग नई दिल्ली110002 -

1. महात्मा गांधी - मेरा विद्यार्थी-काल (आत्मकथा)

2 शांतिप्रिय द्विवेदी - तू तो मुझसे भी अभागा है (रेखाचित्र)

3. हरिशंकर परसाई- सद्गुरु का कहना है (व्यंग्य)

4. देवेंद्रनाथ शर्मा - शाहजहाँ के आँसू (एकांकी)

5. फणीश्वरनाथ रेणु- यशपाल (संस्मरण)

6. विजय कुमार संदेश - मेरी अंडमान यात्रा (यात्रावृत्त)

7. समाज सेवा - पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी (निबंध)

Edit with WPS Office

8. मनमोहन मदारिया - हंसिनी की भविष्यवाणी (लोककथा)

SEM-II

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1) जंगल के जुगनू (उपन्यास) - देवेश ठाकुर - वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली -110002

2) गद्य के विविध आयाम: संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई राजकमल प्रकाशन,,नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली - 110002

9. रामधारी सिंह दिनकर' - नेता नहीं नागरिक चाहिए (निबंध)

10. महादेवी वर्मा -बदलू (संस्मरण)

11. बनारसीदास चतुर्वेदी - बाईस वर्ष बाद (रेखाचित्र)

12. मोहन राकेश -स्वामी दयानन्द (जीवनी)

13. शंकर पुणतांबेकर -एक मूर्ति कथा (व्यंग्य)

14. जगदीशचंद्र माथुर -मकड़ी का जाला (एकांकी)

15. गुणाकर मुले - कम्प्यूटर नई क्रांति की दस्तक (वैज्ञानिक लेख)

16. अमृतलाल बेगड़ -सौंदर्य की नदी नर्मदा (यात्रावृत्त)

: Question Paper Pattern :

दोनों सत्रों के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप

कुल अंक: 100 समय 3 :घंटे

प्रश्न 1 संदर्भ सहित व्याख्या (दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित)	24 अंक
प्रश्न 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित)	30 अंक
प्रश्न 3. सामान्य प्रश्न (दोनों पुस्तकों में से किसी एक का उत्तर अपेक्षित)	15 अंक
प्रश्न 4 टिप्पणियाँ (दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित)	16 अंक
प्रश्न 5 अतिलघूत्तरी प्रश्न (दोनों पुस्तकों से पूछे जाएँ)	15 अंक

Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE,KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus

HINDI PAPER NO II

Programme: B. A. (CBCS) Course: SYBA Hindi P.- II

Program Code: 3A00143 & 3A00144 Course Code: UAHIN 301 & 401

(As per the Credit Based Semester and Grading System with effect from the academic year 2020-21)

Year : 2021-22 Semester : III and IV

Programme Outcomes:

- विद्यार्थियों को हिंदी की मध्यकालीन और आधुनिक कालीन पद्य विधाओं की प्रसिद्ध रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवनशैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।
- हिंदी काव्य के मध्यकाल से लेकर अद्यतन काव्य की प्रवृत्तियों एवं कविता के विकास से अवगत कराते हुए काव्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण-चेतना को समृद्ध करना।
- काव्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का परिचय कराते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में काव्य की उपादेयता को दर्शाना।
- विद्यार्थियों को गद्य की व्यंग्यविधा की प्रसिद्ध, प्रचलित व्यंग्यात्मक रचनाओं एवं समकालीन परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए सामाजिक, मानवीय, सांस्कृतिक और नवीनतम आधुनिक जीवन शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।
- हिंदी गद्य के प्रारम्भिक काल में प्रस्फुटित व्यंग्य रचनाओं से लेकर रचनाओं, प्रवृत्तियों एवं व्यंग्य के विकास से अवगत कराते हुए काव्य के सामाजिक, मानवीय संतुलनअ-संतुलन को दर्शाते हुए सकारात्मक पक्षों को बल देना एवं सामुहिक नैतिकता को समृद्ध करना।
- व्यंग्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न व्यंग्य दृष्टियों को उजागर कराते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ आमजीवन के क्षेत्र में व्यंग्य की उपादेयता को दर्शाते हुए उसके विभिन्न सरोकारों से अवगत कराना।

Course Outcomes:

Edit with WPS Office

- ❖ विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
- ❖ विद्यार्थियों में नये वैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
- ❖ विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक- कौशल को बढावा मिलेगा, साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड सकेंगे, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ सकेंगे।
- ❖ विद्यार्थियों में मानवीय सभ्यता संवेदना उनके विकास के साथ नवीन सामाजिक सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों का विकास होगा जिससे विद्यार्थी अधिक उदार चेतना संपन्न तथा जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।
- ❖ विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक मूल्यों का गुणात्मक विकास होगा।
- ❖ विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण हेतु नये सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक विचारों का प्रसार होगा और दायित्व बोध- निर्वहन का विकास होगा।
- ❖ विद्यार्थियों में नये वैश्विक मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं मूल्यवादी दृष्टि के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
- ❖ विद्यार्थियों में साहित्य रसास्वादन के साथ कलात्मक अभिरूचि का निर्माण होगा, रचनात्मक कौशल को बढ़ावा मिलेगा।

SEM-III

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. मध्यकालीन और आधुनिक काव्य : संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, राजपाल एण्ड संज, 1590, मदरसा रोड कश्मीरी गेट दिल्ली।

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ :

(क) कबीर के दोहे (कबीर-ग्रंथावली, संपा. डॉ. माताप्रसाद गुप्त)

(ख) सूरदास के पद (भ्रमरगीत-सार, संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

(ग) तुलसीदास के पद (विनय पत्रिका, तुलसीदास गीताप्रेस गोरखपुर)

(घ) मीराबाई के पद (संत मीराँबाई और उनकी पदावली, संपा. बलदेव वंशी)

(ङ) रहीम के दोहे (रहीम ग्रन्थावली, संपा. विद्यानिवास मिश्र एवं गोविंद रजनीश)

(च) बिहारी के दोहे (बिहारी रत्नाकर, श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर)

आधुनिक काव्य

Edit with WPS Office

1. मनुष्यता -मैथिलीशरण गुप्त

2. वह तोड़ती पत्थर - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

3. कोशिश करने वालों की हार नहीं होती - सोहनलाल द्विवेदी

4. जो बीत गई सो बात गई - हरिवंशराय बच्चन

5. अपना अहम् नहीं बेचूंगा - रामावतार त्यागी

6. शीशे और पत्थर का गणित - दिनकर सोनवलकर

7. आज सड़कों पर लिखे है (ग़ज़ल) - दुष्यंत कुमार

8. माँ पर नहीं लिख सकता कविता - चंद्रकांत देवताले

9. विकल्प - राजेश जोशी

10. एक और युद्ध - ओमप्रकाश वाल्मीकि

11. नये इलाके में - अरुण कमल

12. उतनी दूर मत ब्याहना बाबा - निर्मला पुतुल

2. स्वयंप्रभा (खंडकाव्य) लेखक रमाकांत शर्मा 'उदभ्रांत'

प्रकाशक: अमन प्रकाशन 104/80C रामबाग, कानपुर208012-

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1.कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी

2. विनय पत्रिका - वियोगी हरि

3. सूरदास - ब्रजेश शर्मा

4. संत मीराँबाई और उनकी पदावली- संपा. बलदेव वंशी

5. रहीम ग्रन्थावली - संपा. विद्यानिवास मिश्र एवं गोविंद रजनीश

6. बिहारी रत्नाकर - श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर

7. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह

8. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र

9. निराला की साहित्य साधना - डॉ रामविलास शर्मा

10. दुष्यंत कुमार की गज़लों का समीक्षात्मक अध्ययन - डॉ. सरदार मुजावर

11. आदिवासी साहित्य यात्रा - संपा. रमणिका गुप्ता

Edit with WPS Office

12. दलित साहित्य का समाजशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

SEM-IV

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. व्यंग्यवीथी : -संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, राधाकृष्ण प्रकाशन, जी17- जगतपुरी, दिल्ली110051-

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित व्यंग्य निबंध.

1. वसीयत - भगवतीचरण वर्मा

2. सुदामा के चावल - हरिशंकर परसाई

3. एक लाख - शंकर पुणतांबेकर

4. बापू की विरासत - नामवर सिंह

5. बंसी वाले का पुजारी - शरद जोशी

6. वाह रे! हमदर्द - घनश्याम अग्रवाल

7. प्रभु जी तुम डॉलर हम पानी - सूर्यबाला

8. छूकर चरण भाग्य बनाते हैं - स्नेहलता पाठक

9. कन्या रत्न का दर्द - प्रेम जनमेजय

10. वाशिंग मशीन में बाल सरस्वती - बी. एल. आच्छा

11. गाँव के स्कूल में कम्प्यूटर - ज्ञान चतुर्वेदी

12. ऐनक के बहाने - ब्रजेश कानूनगो

2. शकुंतिका (उपन्यास) - लेखक भगवानदास मोरवाल : प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, 1-बी. नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य में व्यंग्य - वीरेंद्र मेंहदीरत्ता

2. हरिशंकर परसाई के व्यंग्य साहित्य में मिथकीय संरचना का अनुशीलन - डॉ. शरद सुनेरी

3. शंकर पुणतांबेकर का व्यंग्य साहित्य - डॉ मीना सुनील सुतवाणी

4. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय

5. कथा का सौन्दर्य शास्त्र - प्रभाकर क्षोत्रिय

6. लोकमन का सिरजनहार भगवानदास मोरवाल - सं. डॉ. लोकेशकुमार गुप्ता

Edit with WPS Office

7. उपन्यासकार भगवानदास मोरवाल - सं. डॉ. मधु खराटे	
: Question Paper Pattern : **दोनों सत्रों के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप**	
पूर्णांक 100 समय 03:00 घंटे	
प्रश्न1- संदर्भ सहित व्याख्या (दोनों पुस्तकों में से विकल्प सहित)	अंक 20
प्रश्न2- दीर्घोत्तरी प्रश्न (दोनों पुस्तकों में से विकल्प सहित)	अंक 40
प्रश्न3- सामान्य प्रश्न (दोनों पुस्तकों में से किसी एक का उत्तर अपेक्षित)	अंक 20
प्रश्न4- टिप्पणियाँ (दोनों पुस्तकों से विकल्प सहित)	अंक 10
प्रश्न5- अतिलघूत्तरी वस्तुनिष्ठ (दोनों पुस्तकों में से)	अंक 10
	योग = 100

Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE,KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus

HINDI PAPER NO III

Programme: B. A. (CBCS) Course: SYBA Hindi P.- III

Program Code: 3A00143 & 3A00144 Course Code: UAHIN 302 & 402

(As per the Credit Based Semester and Grading System with effect from the academic year 2020-21)

Year : 2021-22 Semester : III and IV

Programme Outcomes:

- जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिंदी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिंदी के माध्यम से रोजगार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना।
- विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक भाषा की जानकारी देते हुए कार्यालयीन तथा अन्य व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी भाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करते हुए लेखन कौशल का विकास करना।
- विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिंदी तथा अंग्रेजी की पारिभाषिक शब्दावली से परिचित करवाना।
- विद्यार्थियों को व्यावसायिक / कार्यालयीन पत्राचार से अवगत करवाना।
- विद्यार्थियों को अंग्रेजी/ मराठी भाषा से हिंदी भाषा में अनुवाद कौशल का विकास करना।
- विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा की जानकारी से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों के विकास से परिचित करवाना।
- विद्यार्थियों को जनसंचारभाषा- की जानकारी देते हुए व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी भाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करना।
- विद्यार्थियों को परंपरागत जनसंचार माध्यमों से परिचित कराते हुए नव्यसंचार- माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक के आंतरिक और बाह्य पक्षों का सामाजिक सरोकारों को दर्शाना।
- विद्यार्थियों को समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, साक्षात्कार, फीचर लेखन से अवगत करवाना।
- विद्यार्थियों को सोशल मीडिया, कंप्यूटर, टेलीविजन इत्यादि के भाषाई प्रयोगों का परिचय देना।

Edit with WPS Office

Course Outcomes:

- विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में नये वैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
- विद्यार्थी जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी देवनागरी लिपि के अध्ययन, प्रयोग से मीडिया, कोश निर्माण आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों में मानवीय सभ्यता संवेदना उनके विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों का विकास होगा जिससे विद्यार्थी अधिक उदार चेतना संपन्न तथा जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।
- विद्यार्थियों को व्यावहारिक हिन्दी भाषा दक्षता की प्रवीणता की प्राप्ति होगी।
- विद्यार्थियों को व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भरता के योग्य बनेंगे।
- विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों में रोजगार के अवसर, क्षेत्रों से अवगत होंगे।
- विद्यार्थियों को तकनीकी और व्यावहारिक भाषा दक्षता की प्रवीणता प्राप्ति होगी।
- व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भरता की संभावना बढ़ेगी।
- जनसंचार माध्यमों में रोजगार के क्षेत्रों से परिचय होगा।

SEM-III

इकाई 1. प्रयोजनमूलक हिंदी :-

प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ और परिभाषा

सामान्य हिंदी, साहित्यिक हिंदी

प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप एवं विशेषताएँ

प्रयोजनमूलक हिंदी : व्यवहार क्षेत्र

इकाई 2. कार्यालयीन एवं व्यावसायिक पत्र-लेखन :-

कार्यालयीन पत्र : कार्यालय आदेश, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक

व्यावसायिक पत्र : आवेदन (रिक्त पद / अवकाश), पूछताछ, क्रयादेश

शिकायती पत्र (सार्वजनिक)

इकाई 3. अनुवाद :- अर्थ, परिभाषा

अनुवाद के भेद : शब्दानुवाद, भावानुवाद, अर्थानुवाद, सारानुवाद, सर्जनात्मक अनुवाद (काव्यानुवाद / कथानुवाद)

अनुवाद : महत्व एवं उपयोगिता

इकाई 4. पत्रकारिता :- परिभाषा, स्वरूप और महत्व

Edit with WPS Office

हिंदी पत्रकारिता : विकासक्रम

पत्रकारिता के विविध रूप (खेल, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की, साहित्यिक-सांस्कृतिक पत्रकारिता)

इकाई 5. व्यावहारिक अनुवाद : पारिभाषिक शब्दावली

अंग्रेजी / मराठी से हिंदी में अनुवाद

पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ, परिभाषा और महत्व

निर्धारित पारिभाषिक शब्दों के 50 हिंदी प्रतिशब्द

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. विनोद गोदरे

2. अनुवाद सिद्धांत - भोलानाथ तिवारी

3. अभिनव व्यावहारिक पत्र लेखन - डॉ. अनिल सिंह

4. आधुनिक पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी

5. हिंदी पत्रकारिता उद्भव और विकास - डॉ. रचना भोला 'यामिनी'

6. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता- अजय कुमार सिंह

SEM-IV

इकाई 1. जनसंचार :- अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

जनसंचार के तत्त्व

इकाई 2. जनसंचार माध्यम :-

परंपरागत संचार माध्यमों का सामान्य परिचय एवं भेद

(तमाशा, लावणी, कठपुतली, नोटंकी, कीर्तन, लोक संगीत)

आधुनिक संचार माध्यमों का सामान्य परिचय एवं भेद (मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक)

इकाई 3. जनसंचार माध्यमों का विकास एवं उपयोगिता :-

समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, टेलीविजन, कंप्यूटर, मोबाइल, सोशल मीडिया

इकाई 4. जनसंचार माध्यमोपयोगी लेखन : सामान्य परिचय

समाचार लेखन, साक्षात्कार, फ़ीचर लेखन, संपादकीय, संवाद लेखन

पुस्तक एवं फिल्म समीक्षा, विज्ञापन लेखन

इकाई 5. माध्यमोपयोगी लेखन :-

समाचार लेखन, फ़ीचर लेखन, संवाद लेखन

फिल्म समीक्षा, विज्ञापन लेखन

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित वस्तुनिष्ठ 50 प्रश्न

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

Edit with WPS Office

1. आधुनिक जनसंचार माध्यम और हिंदी - डॉ. हरिमोहन
2. मीडिया और हिंदी - बदलती प्रवृत्तियां - सं रविन्द्र जाधव, केशव मोरे
3. संचार माध्यम लेखन - गौरी शंकर रैना
4. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला - डॉ. हरिमोहन
5. जनसंचार विविध आयाम - डॉ. बृजमोहन गुप्त
6. मीडिया लेखन, सिद्धान्त और व्यवहार- डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र
7. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सिद्धांत - रूपचन्द गौतम
8. संचार सिद्धांत की रूपरेखा- डॉ. प्रेमचंद पांतजलि
9. जनसंचार माध्यम- चुनौतियाँ और दायित्व - डॉ. त्रिभुवन राय

: Question Paper Pattern :
दोनों सत्रों के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप

पूर्णांक 100 समय 03:00 घंटे

प्रश्न 1. पूछे गए 1 से 6 में से 4 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। अंक 80

प्रश्न- 7 वा अनिवार्य

अ) पूछे गए 4 में से 2 माध्यमोपयोगी लेखन अंक10-

आ) अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ अंक10-

योग = 100

Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE,KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus

HISTORY OF HINDI LITERATURE

Programme: B. A. (CBCS) Course: TYBA Hindi P.- IV

Program Code: 3A00145 & 3A00146 Course Code: UAHIN 501 & 601

(As per the Credit Based Semester and Grading System with effect from the academic year 2021-22)

Year : 2021-22 Semester : V and VI

Programme Outcomes:

- विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास का बोध कराते हुए हिंदी साहित्य के इतिहास संबंधी साहित्य के विकासक्रम, प्रवृत्तियों एवं परिवेश का परिचय कराना।

Course Outcomes:

- विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में नये वैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
- विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक- कौशल को बढावा मिलेगा, साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड सकेंगे, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ सकेंगे।
- विद्यार्थी को हिंदी साहित्य के इतिहास की व्यापक जानकारी प्राप्त होगी, साहित्य की अविरल धारा का परिचय प्राप्त होगा। हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं का व्यापक और क्रमबद्ध ज्ञान प्राप्त होगा।
- विद्यार्थियों में मानवीय सभ्यता संवेदना उनके विकास के साथ नवीन सामाजिक सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों का विकास होगा जिससे विद्यार्थी अधिक उदार चेतना संपन्न तथा जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

SEM-V

इकाई । हिंदी साहित्य का इतिहास -

Edit with WPS Office

हिंदी साहित्य का काल विभाजन

हिंदी साहित्य का नामकरण

इकाई II आदिकाल

आदिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि

सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई III भक्तिकाल

भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि

संत काव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य,

कृष्णभक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई IV रीतिकाल

रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ।

निर्धारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की सूची

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र (संपादक), मयूर पेपरबैंक, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन खंडेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर प्रकाशन, आगरा
5. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEM-VI

(क) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई I (क) आधुनिक हिंदी कविता का विकास

आधुनिककाल - हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय

भारतेन्दु युग

द्विवेदी-युग

छायावाद

Edit with WPS Office

इकाई II

प्रगतिवाद

प्रयोगवाद

नई कविता

समकालीन कविता

इकाई III (ख) आधुनिक हिंदी साहित्य की गद्य विधाओं का विकास

उपन्यास

कहानी

आलोचना

इकाई IV

आत्मकथा

जीवनी

संस्मरण

निर्धारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की सूची

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. नई कविता के प्रतिमान - लक्ष्मीकांत वर्मा, भारती प्रेस प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिन्दी आलोचना का विकास - नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

: Question Paper Pattern :

सेमिस्टर 5 और 6 के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप

Course IV समय: 3:00 घंटे पूर्णांक 100

1.सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Edit with WPS Office

2. सभी के लिए समान अंक हैं।	
प्रश्न 1. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई I पर)	20 अंक
प्रश्न 2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई II पर)	20 अंक
प्रश्न 3. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई III पर)	20 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई IV पर)	20 अंक
प्रश्न 5. क) टिप्पणियाँ (चार में से दो पर)	10 अंक
ख) अतिलघुत्तरी 5 प्रश्न	5 अंक
ग) बहुविकल्पीय 5 प्रश्न	5 अंक

Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE,KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus

POST INDEPENDENCE HINDI LITERATURE

Programme: B. A. (CBCS) Course: TYBA Hindi P.- V

Program Code: 3A00145 & 3A00146 Course Code: UAHIN 502 & 602

(As per the Credit Based Semester and Grading System with effect from the academic year 2021-22)

Year : 2021-22 Semester : V and VI

Programme Outcomes:

- विद्यार्थी को स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य की गद्य और पद्य की नई विधाओं से परिचित करना।

Course Outcomes:

- विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक- कौशल को बढावा मिलेगा, साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड सकेंगे, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ सकेंगे।
- विद्यार्थियों में नए वैश्विक मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व बोध उत्पन्न होगा।
- विद्यार्थियों में मानवीय सभ्यता संवेदना उनके विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों का विकास होगा जिससे विद्यार्थी अधिक उदार चेतना संपन्न तथा जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

SEM-V

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

इकाई ।

Edit with WPS Office

नाटक अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास

नाटक के तत्व एवं प्रकार

इकाई- II

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

काला पत्थर (नाटक) डॉ. सुरेश शुक्ल 'चन्द्र' अमन प्रकाशन, कानपुर

इकाई- III

एकांकी अर्थ परिभाषा, स्वरूप एवं विकास

नाटक और एकाकी में साम्य-वैषम्य

इकाई IV

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

एकांकी सुमन (एकांकी-संग्रह) संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई,

वाणी प्रकाशन 4695. 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित एकाकी

- दीपदान - रामकुमार वर्मा
- और वह जा न सकी - विष्णु 'प्रभाकर'
- बहू की विदा - विनोद रस्तोगी
- रात के राही - ब्रज भूषण
- जान से प्यारे - ममता कालिया
- अन्वेषक - प्रताप सहगल
- नो एडमिशन - संजीव निगम

संदर्भ ग्रंथसूची -

1 हिंदी नाटक के पांच दशक - कुसुम खेमानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

2. हिंदी नाटक कल और आज - केदार सिंह, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स दिल्ली

3 आधुनिक हिंदी नाटक - गिरीश रस्तोगी प्रथम प्रकाशन, कानपुर

4. हिंदी नाटक और रंगमंच नई दिशाए, नए प्रश्न - गिरीश रस्तोगी अभिव्यक्ति प्रकाशन इलाहाबाद

5. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक संवेदना और शिल्प - डॉ. श्यामसुंदर पांडेय, अमन प्रकाशन, कानपुर

Edit with WPS Office

6. एकाकी मंच - डॉ. वी. पी. अमिताभ' जवाहर पुस्तकालय, मथुरा

7. मानक एकांकी - सं. डॉ बच्चन सिंह, भूमिका प्रकाशन, नई दिल्ली

8. नाट्य-विमर्श - सं. जयदेव तनेजा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

SEM-VI

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

इकाई।

कविता : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

स्वातंत्र्योत्तर कविता : संवेदना और शिल्प

इकाई- II

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

काव्य-सौरभ (कविता-संग्रह) संपादन: हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई

राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ

- यात्री - सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- उनको प्रणाम - नागार्जुन
- नया कवि - गिरिजाकुमार माथुर
- प्रमथ्यु गाया - धर्मवीर भारती
- इस तरह तो - बालस्वरूप 'राही'
- पानी में घिरे हुए लोग - केदारनाथ सिंह
- थोड़े-से बच्चे और बाक़ी बच्चे - चंद्रकांत देवताले
- सिलसिला - सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'
- रात किसी का घर नहीं - राजेश जोशी
- चुप्पी टूटेगी - ओमप्रकाश वाल्मीकि
- बाजारे नुमाइश में - दीक्षित दनकौरी
- बूढ़ी पृथ्वी का दुख - निर्मला पुतुल

Edit with WPS Office

इकाई- III

निबंध अर्थ, परिभाषा, भेद और तत्व

हिन्दी निबंध साहित्य का विकास

इकाई - IV

निर्धारित पाठ्य पुस्तक

निबंध - विविधा (निबंध-संग्रह)- संपादन: हिंदी अध्ययन मत मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई

नयी किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित निबंध -

- बाजार-दर्शन - जैनेन्द्र कुमार
- पाप के चार हथियार - कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
- मनुष्य की सर्वोत्तम कृति-साहित्य- हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिम्मत और जिंदगी - रामधारी सिंह 'दिनकर'
- अगर मुल्क में अखबार न हो - नामवर सिंह
- रसायन और हमारा पर्यावरण - डॉ. एन. एल. रामनाथन
- आँगन का पंछी - विद्यानिवास मिश्र
- पाँत का आखिरी आदमी - कुबेरनाथ राय
- मनुष्य और ठग - प्रेम जमेजय
- ओ बसंत तुम्हें मनुहारता कचनार - श्रीराम परिहार

संदर्भ ग्रंथसूची -

1. काव्यशास्त्र भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2. साहित्यिक निबंध - गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

4. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार - ज्योतीश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

6. हिन्दी निबंधकर - जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड सज, दिल्ली

7. समकालीन कविता सृजन संदर्भ-डॉ. सतीश पांडेय, शैलजा प्रकाशन, कानपुर

Edit with WPS Office

8. हिन्दी साहित्य संवेदना के धरातल - स. डॉ. अनिल सिंह, सीमा प्रकाशन, परभणी

9. ललित निबंध विधा की बात - डॉ. हूबनाथ पांडेय,अनभै प्रकाशन, मुंबई

10. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' - डॉ. जयप्रकाश नारायण सिंह, साहित्य रत्नाकर, कानपुर

: Question Paper Pattern :

सेमिस्टर 5 और 6 के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप

Course - V समय 3:00 घंटे पूर्णांक 100

सूचना 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई I पर)	20 अंक
प्रश्न 2. संदर्भ सहित व्याख्या (दोनों किताबों पर)	20 अंक
प्रश्न 3. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पहली किताब पर)	20 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (दूसरी किताब पर)	20 अंक
प्रश्न 5. क) टिप्पणियाँ चार में से दो (दोनों किताबों पर)	20 अंक

Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE,KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus

INFORMATION TECHNOLOGY IN HINDI

Programme: B. A.(CBCS) Course: TYBA Hindi P.- VI

Program Code: 3A00145 & 3A00146 Course Code: UAHIN 503 & 603

(As per the Credit Based Semester and Grading System with effect from the academic year 2021-22)

Year : 2021-22 Semester : V and VI

Programme Outcomes:

- जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिंदी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिंदी के माध्यम से रोजगार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना।

Course Outcomes:

- विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में नये वैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
- विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक- कौशल को बढावा मिलेगा, साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड सकेंगे, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ सकेंगे।
- विद्यार्थी जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी देवनागरी लिपि के अध्ययन, प्रयोग से मीडिया, कोश निर्माण आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों में मानवीय सभ्यता संवेदना उनके विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों का विकास होगा जिससे विद्यार्थी अधिक उदार चेतना संपन्न तथा जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

SEM-V

हिन्दी में सूचना प्रौद्योगिकी

इकाई।

Edit with WPS Office

सूचना प्रौद्योगिकी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विकास

सूचना प्रौद्योगिकी : समस्याएँ, सीमाएँ और चुनौतियाँ

सूचना प्रौद्योगिकी : सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव

इकाई II

सूचना प्रौद्योगिकी का व्यवहार क्षेत्र : सामान्य परिचय

सूचना प्रौद्योगिकी का जनसंचार के क्षेत्र में योगदान और महत्व

(हिंदी पत्रकारिता : प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संदर्भ में)

सूचना प्रौद्योगिकी : शिक्षा के क्षेत्र में उपादेयता

इकाई III

सूचना प्रौद्योगिकी : हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि का वैश्विक प्रयोग

सूचना प्रौद्योगिकी : हिन्दी सॉफ्टवेयर परिचय, अनुप्रयोग और महत्व

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि के वैश्विक प्रसार में

विविध संस्थानों की भूमिका/ योगदान (राजभाषा विभाग, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा,

सी- डेक पुणे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान)

इकाई IV

इन्टरनेट और हिन्दी (यूनिकोड फॉण्ट परिवर्तक, देवनागरी लिपि टाइपिंग टूल, हिन्दी में ईमल, नेट पर हिन्दी विज्ञापन, हिन्दी की साहित्यिक ई-पत्रिकाएं, हिन्दी ब्लॉग)

भारत में डिजिटलाइजेशन और हिंदी

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी आधारित रोजगार की संभावनाएँ

सूचना : प्रकल्प - 20 अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी - हरिमोहन

2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजय कुमार मल्होत्रा

3. कंप्यूटर और हिन्दी - हरिमोहन

4. पत्रकारिता से मीडिया तक - मनोज कुमार

Edit with WPS Office

5. इन्टरनेट - शशि शुक्ला

6. जनसंचार और मीडिया लेखन - डॉ दत्तात्रय मुरूमकर

7. प्रयोजनमूलक हिन्दी - रमेश जैन

8. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - डॉ अर्जुन तिवारी

9. अनुवाद का समकाल - डॉ मोहसिन खान

10. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम - डॉ. माया सिंह और डॉ विद्धेश्वर कश्यप

11. वर्चुअल रियलिटी और इन्टरनेट - जगदीश्वर चतुर्वेदी

12. मीडिया भूमंडलीकरण और समाज - संपादक संजय द्विवेदी

SEM-VI

सोशल मीडिया

इकाई I

सोशल मीडिया : स्वरूप, प्रकार और विकास

सोशल मीडिया का व्यवहार क्षेत्र और महत्व

सोशल मीडिया : चुनौतियाँ और संभवनाएँ

इकाई II

सोशल मीडिया में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि का प्रयोग तथा हिंदी का बदलता रूप

(फेसबुक, व्हाटसअप, ट्विटर, मैसेंजर, इन्स्टाग्राम, यूट्यूब)

सोशल मीडिया : शिक्षा के क्षेत्र में उपादेयता

सोशल मीडिया : हिंदी का प्रयोग और रोजगार की संभावनाएँ

इकाई III

सोशल मीडिया के प्रभाव

(राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक)

सोशल मीडिया : बदलता हुआ भारतीय परिवेश

(बाल, युवाओं, महिलाओं और वृद्धों के संदर्भ में)

सोशल मीडिया का जीवन- मूल्यों पर प्रभाव

इकाई IV

सोशल मीडिया और कानून

Edit with WPS Office

सोशल मीडिया और मुक्त अभिव्यक्ति तथा दायित्वबोध

सोशल मीडिया की वैश्विक- व्याप्ति

सूचना : प्रकल्प - 20 अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1. सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद - संपादक संजय द्विवेदी

2. नए जमाने को पत्रकारिता - सौरभ शुक्ला

3. सोशल मीडिया - योगेश पटेल

4. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक - हर्षदेव

5 नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता - कृष्ण कुमार रत्तू

6. हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ.कैलाश चन्द्र भाटिया

7. इन्टरनेट - शशि शुक्ला

: Question Paper Pattern :

सेमिस्टर 5 और 6 के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप

Course - VI समय 2.30 घंटे पूर्णांक 80

सूचना :-

I. अंतिम प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. शेष चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए।

3. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई I पर)	20 अंक
प्रश्न 2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई II पर)	20 अंक
प्रश्न 3. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई III पर)	20 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई IV पर)	20 अंक
प्रश्न 5. टिप्पणियाँ चार में से दो (चारों इकाइयों पर 1-1 प्रश्न)	20 अंक

Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE,KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus

LITERARY CRITICISM : PROSODY AND RHETORICS

Programme: B. A.(CBCS) Course: TYBA Hindi P.- VII

Program Code: 3A00145 & 3A00146 Course Code: UAHIN 504 & 604

(As per the Credit Based Semester and Grading System with effect from the academic year 2021-22)

Year : 2021-22 Semester : V and VI

Programme Outcomes:

- विद्यार्थियों को पारंपरिक भारतीय काव्यशास्त्र के मानदंडों से परिचय कराते हुए, साहित्य की विभिन्न विधाओं से अवगत कराना, साहित्य के काव्यशास्त्रीय नियमों की जानकारी प्रदान कराना।
- विद्यार्थियों को साहित्य, कला, साहित्य समीक्षा, छंद एवं अलंकारों से परिचित कराना।

Course Outcomes:

- विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में नये वैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
- विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक- कौशल को बढावा मिलेगा, साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड सकेंगे, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ सकेंगे।
- विद्यार्थियों में मानवीय सभ्यता संवेदना उनके विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों का विकास होगा जिससे विद्यार्थी अधिक उदार चेतना संपन्न तथा जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

SEM-V

साहित्य समीक्षा : छंद एवं अलंकार

Edit with WPS Office

इकाई। साहित्य समीक्षा : स्वरूप एवं सामान्य परिचय

साहित्य : स्वरूप और परिभाषा (भारतीय एवं पाश्चात्य)

साहित्य के तत्व

साहित्य के हेतु

साहित्य के प्रयोजन (भारतीय एवं पाश्चात्य)

इकाई ।। कला

स्वरूप और परिभाषा

कलाओं का वर्गीकरण

काव्य कला की श्रेष्ठता

कला और साहित्य का संबंध

इकाई ।।। काव्य के रूप -

महाकाव्य : भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं का परिचय

खडकाव्य : स्वरूप और विशेषताएँ

मुक्तक काव्य : स्वरूप और विशेषताएँ

गीतिकाव्य : स्वरूप और विशेषताएँ

ग़ज़ल : स्वरूप और विशेषताएँ

इकाई IV छंद : सामान्य परिचय, लक्षण एवं उदाहरण -

मात्रिक छंद 1) चौपाई 2) रोला 3) दोहा 4) हरिगीतिका 5) उल्लाला 6) तांटक 7) सोरठा 8) कुंडलिया

वर्णिक छंद 1) इंद्रवज्रा 2) उपेंद्रव्रजा 3) दुतविलंबित 4) वंशस्थ 5) भुजंगी 6) तोटक 7) वसंततिलका 8) घनाक्षरी

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2. काव्यशास्त्र के मानदंड - रामनिवास गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

3 भारतीय काव्यशास्त्र :नई व्याख्या - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद

4. हिंदी साहित्य समीक्षा - श्रीमूर्ति सुब्रह्मराव, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

5. साहित्य समीक्षा - रामरतन भटनागर, किताब महल, इलाहाबाद

6. साहित्य समीक्षा - कालिदास कपूर, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग

Edit with WPS Office

7. कला की जरूरत - राजकमल प्रकाशन अन्सर्ट फिशर, अनुवाद रमेश उपाध्याय

8. काव्य के तत्व - आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SEM-VI

साहित्य समीक्षा

इकाई I शब्द शक्ति -

शब्द शक्ति : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

शब्द शक्ति के प्रकार (अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना का सामान्य परिचय)

इकाई II रस

रस : अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप

रस के अवयव

रस के भेद : सामान्य परिचय

इकाई III गद्य के विविध रूप

उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्व

कहानी : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्त्व

रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी और आत्मकथा का तात्विक विवेचन

इकाई IV अलंकार सामान्य परिचय, लक्षण तथा उदाहरण -

शब्दालंकार 1) अनुप्रास 2) यमक 3) श्लेष 4) वक्रोक्ति 5) वीप्सा 6) पुनरुक्तिप्रकाश

अर्थालंकार 1) उपमा 2) रूपक 3) अतिशयोक्ति 4) उत्प्रेक्षा 5) विभावना 6) प्रतीप

7) दीपक 8) संदेह 9) विरोधाभास

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1 काव्य के रूप - बाबू गुलाबराय

2. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा - डॉ नगेन्द्र

3. सिद्धांत और अध्ययन - बाबू गुलाबराय

4. काव्यशास्त्र - डॉ भगीरथ मिश्र

5. काव्य प्रदीप - श्री रामबहोरी शुक्ल

6. छंद प्रकाश - श्री रघुनंदन शास्त्री

Edit with WPS Office

7. साहित्य सहचर - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

8. साहित्य विवेचन - सुमन एवं मलिक

9. हिंदी आलोचना के बीज शब्द - डॉ बच्चन सिंह

10. हिंदी साहित्य कोश - ज्ञानमंडल प्रकाशन वाराणसी

11 हिंदी नाटक - डॉ बच्चन सिंह

12 मोहन राकेश के रात बीतने तक तथा अन्य ध्वनि नाटक में अंतर्द्वंद्व - डॉ. गौतम सोनकाबले

13 साहित्य विधाओं की प्रकृति - सं. देवीशंकर अवस्थी

14. कला - हंस कुमार तिवारी

15 आधुनिक साहित्य चिंतन - डॉ हरिश आरोडा, डॉ गुंजनकुमार झा

16. भारतीय कला का इतिहास - डॉ भागवत शरण उपाध्याय

17 भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ कृष्णदेव झारी

18. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ मानवेंद्र पाठक

: Question Paper Pattern :

सेमिस्टर 5 और 6 के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप

Course -VII अवधि 03:00 घंटे पूर्णांक 100

सूचना

1 सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई I पर)	20 अंक
प्रश्न 2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई II पर)	20 अंक
प्रश्न 3. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई III पर)	20 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई IV पर)	20 अंक
प्रश्न 5. टिप्पणियाँ चार में से दो (चारों इकाइयों पर 1-1 प्रश्न)	20 अंक

Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE,KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus

LINGUISTICS : HINDI LANGUAGE AND GRAMMAR

Programme: B. A. (CBCS) Course: TYBA Hindi P.- VIII

Program Code: 3A00145 & 3A00146 Course Code: UAHIN 505 & 605

(As per the Credit Based Semester and Grading System with effect from the academic year 2021-22)

Year : 2021-22 Semester : V and VI

Programme Outcomes:

- विद्यार्थियों को भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के महत्व से अवगत कराते हुए भाषा विज्ञान की उपयोगिता तथा भाषा एवं लिपि-विज्ञान के विभिन्न अंगों का व्यावहारिक परिचय कराना।
- व्याकरण के माध्यम से विद्यार्थियों की भाषा को समृद्ध करना।

Course Outcomes:

- विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में नये वैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
- विद्यार्थी भाषा के विविध रूप तथा भाषा परिवर्तन के कारणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों से परिचित होंगे होते हुए उसकी उपयोगिता का ज्ञान कर सकेंगे विद्यार्थी हिंदी ध्वनि और के ध्वनियों यो के उच्चारण संबंधी तथा देवनागरी लिपि का वैज्ञानिक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों में मानवीय सभ्यता संवेदना उनके विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों का विकास होगा जिससे विद्यार्थी अधिक उदार चेतना संपन्न तथा जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।
- व्याकरण के ज्ञान से विद्यार्थियों की भाषा समृद्ध होगी।

SEM-V

Edit with WPS Office

भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा और व्याकरण

इकाई I

भाषा की परिभाषा एवं उसकी विशेषताएँ

भाषा के विविध रूप

भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारण

इकाई II

भाषा विज्ञान : परिभाषा और उपयोगिता

भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ सामान्य परिचय :

(ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान)

इकाई III

वर्णविचार : उच्चारण की दृष्टि से हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण

कारक के भेद एवं उनकी विभक्तियाँ

संज्ञा : रूपांतर के आधार

इकाई IV

सर्वनाम : कारक रचना

विशेषण : रूपांतर के आधार

क्रिया : रूपांतर के आधार (वाच्य, काल, पुरुष और वचन के आधार पर)

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1 भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

2. हिन्दी भाषा और लिपि - डॉ धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग

3. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र - डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

4. हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

5. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

6. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण - श्यामचन्द्र कपूर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

7. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना - डॉ संतोष चौधरी, कनक सक्सेना, आस्था प्रकाशन, जयपुर

SEM-VI

Edit with WPS Office

भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा और व्याकरण

इकाई।

प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय -

क) वैदिक संस्कृत ख) लौकिक संस्कृत, ग) पालि घ) प्राकृत ड) अपभ्रंश

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय -

क) सिंधी, ख) मराठी, ग) पंजाबी, घ) गुजराती, ड;) बांग्ला

इकाई II

हिंदी भाषा की उत्पत्ति और विकास

हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय -

क) ब्रजभाषा, ख) अवधी ग) भोजपुरी, घ) खड़ी बोली,

खड़ी बोली हिंदी के विविध रूप

क) हिंदी, ख) हिंदुस्तानी, ग) उर्दू, घ) दक्खिनी

इकाई III

हिंदी का शब्द समूह

देवनागरी लिपि : विशेषताएँ एवं महत्त्व

संधि : अर्थ, स्वरूप तथा प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय

इकाई IV

वाक्य रचना - क) वाक्य की परिभाषा, अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार

ख) हिंदी वाक्य रचना में अध्याहार और पदक्रम संबंधी सामान्य नियम

समास : अर्थ, स्वरूप तथा प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1. हिंदी भाषा और लिपि- डॉ धीरेंद्र वर्मा

2. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ भोलानाथ तिवारी

3. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

4. हिंदी ध्वनियों का विकास - डॉ. भोलानाथ तिवारी

5. हिंदी व्याकरण - पं. कामता प्रसाद गुरु

Edit with WPS Office

6. हिंदी शब्दानुशासन - आचार्य किशोरीदास वाजपेयी

7. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ देवेन्द्रनाथ शर्मा

8. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

9. हिंदी व्याकरण और रचना - वासुदेवनंदन प्रसाद

10. हिंदी व्याकरण मीमांसा - काशीराम शर्मा

11. भाषा शास्त्र के सिद्धांत - डॉ. उदय नारायण तिवारी

12. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ. राम किशोर शर्मा

13. व्यवहारिक हिंदी - डॉ. मानवेंद्र पाठक

14. हिंदी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य - डॉ. राम किशोर शर्मा

: Question Paper Pattern :

सेमिस्टर 5 और 6 के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप

Course-VIII अवधि 03:00 घंटे पूर्णांक 100

सूचना:

1 सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई I पर)	20 अंक
प्रश्न 2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई II पर)	20 अंक
प्रश्न 3. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई III पर)	20 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई IV पर)	20 अंक
प्रश्न 5. टिप्पणियाँ चार में से दो (चारों इकाइयों पर 1-1 प्रश्न)	20 अंक

Edit with WPS Office

S. P. Mandal's

KANKAVLI COLLEGE,KANKAVLI

(Affiliated to University of Mumbai)

Syllabus

MASS MEDIA

Programme: B. A. (CBCS) Course: TYBA Hindi P.- IX

Program Code: 3A00145 & 3A00146 Course Code: UAHIN 506 & 606

(As per the Credit Based Semester and Grading System with effect from the academic year 2021-22)

Year : 2021-22 Semester : V and VI

Programme Outcomes:

- जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिंदी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिंदी के माध्यम से रोजगार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना।

Course Outcomes:

- विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा।
- विद्यार्थियों में नये वैश्विक-मूल्यों के प्रति सजगता को बढावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व-बोध उत्पन्न होगा।
- विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक- कौशल को बढावा मिलेगा, साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड सकेंगे, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ सकेंगे।
- विद्यार्थी जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी देवनागरी लिपि के अध्ययन, प्रयोग से मीडिया, कोश निर्माण आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों में मानवीय सभ्यता संवेदना उनके विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों का विकास होगा जिससे विद्यार्थी अधिक उदार चेतना संपन्न तथा जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

SEM-V

संचार माध्यम

Edit with WPS Office

इकाई I जनसंचार माध्यम

जनसंचार : अर्थ, परिभाषा, अवधारणा एवं स्वरूप

जनसंचार : तत्त्व एवं विशेषताएँ

जनसंचार : प्रक्रिया, उपयोगिता, महत्व एवं बदलता स्वरूप

इकाई II मुद्रण कला सामान्य परिचय

मुद्रण कला का अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ

मुद्रण कला का इतिहास एवं विकास

प्रूफ शोधन : अर्थ, स्वरूप, प्रूफ शोधक के गुण एवं कर्तव्य

इकाई III इलेक्ट्रॉनिक दृश्य, श्राव्य जनसंचार माध्यम

रेडियो : अवधारणा, विकास, कार्यक्रम एवं उध्दोषक के गुण - कर्तव्य

सिनेमा : स्वरूप, विकास एवं पटकथा लेखन

टेलीविजन : स्वरूप, विकास एवं धारावाहिक लेखन

इकाई IV अत्याधुनिक जनसंचार माध्यम : उपयोग एवं दिशाएँ -

वेब पत्रकारिता अवधारणा एवं विशेषताएँ

वेब पत्रकारिता तकनीक, उपयोगिता एवं भविष्य

प्रमुख वेब संस्करण : समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो एवं समाचार चैनल

सूचना : प्रकल्प - 20 अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1. जनसचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग - जीतेन्द्र वत्स

2 जनचार माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी

3. जनसंचार माध्यम - हरिश अरोड़ा

4. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिन्दी - डॉ. अम्बादास देशमुख

5. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ माधव सोनटक्के

6. हिन्दी सिनेमा - डॉ चन्द्रकात मिसाळ

7. हिंदी पत्रकारिता - डॉ कृष्ण बिहारी मिश्र

8. समाचार पत्रों का इतिहास - अंबिका प्रसाद वाजपेयी

Edit with WPS Office

9. भारतीय पत्रकारिता कोश - विजय दत्त श्रीधर

10. जनसंचार और मीडिया लेखन - डॉ दत्तात्रय मरुमकर

11 आधुनिक विज्ञापन और नारी - डॉ विद्या शिंदे

SEM-VI

संचार माध्यम

इकाई I जनसम्पर्क

जनसम्पर्क अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य और महत्व

जनसम्पर्क उद्भव, विकास, क्षेत्र एवं साधन

जनसम्पर्क संभावनाएँ और चुनौतियाँ

इकाई II विज्ञापन

विज्ञापन : अर्थ परिभाषा, स्वरूप, महत्व और विशेषताएँ

विज्ञापन : उद्देश्य प्रकार और सामाजिक उपयोगिता

विज्ञापन : उपभोक्ता, एजेंसियों, नैतिकता और कानून

इकाई III वृतचित्र और लघुफिल्म

वृतचित्र : अर्थ एवं स्वरूप, सामान्य परिचय, महत्व एवं उपयोगिता

लघुफिल्म : अर्थ एवं स्वरूप, सामान्य परिचय, महत्व एवं उपयोगिता

वृत्तचित्र एवं लघुफिल्म के उद्देश्य और प्रकार

इकाई IV मीडिया : सरोकार एवं अंतसंबंध

मीडिया : सामाजिक मुद्दे और समस्याएँ

मीडिया : उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय विकास

मीडिया : आचार संहिता और बाज़ारवाद

सूचना : प्रकल्प - 20 अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथसूची- :-

1. जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग - जीतेन्द्र वत्स

2. जनसंचार माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता - डॉ अर्जुन तिवारी

Edit with WPS Office

3. जनसंचार माध्यम - हरिश अरोड़ा

4. प्रयोजनमूलक तथा व्यावहारिक हिन्दी - डॉ अम्बादास देशमुख

5. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ माधव सोनटक्के

6. हिन्दी सिनेमा - डॉ. चन्द्रकांत मिसाळ

7. हिंदी पत्रकारिता - डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र

8. समाचार पत्रों का इतिहास - अंबिका प्रसाद वाजपेयी

9. भारतीय पत्रकारिता कोश - विजय दत्त श्रीधर

10. जनसंचार और मीडिया लेखन - डॉ दतात्रय मुरुमकर

11. आधुनिक विज्ञापन और नारी - डॉ.विद्या शिंदे

: Question Paper Pattern :

सेमिस्टर 5 और 6 के लिए प्रश्न पत्र का प्रारूप

Course - IX अवधि 02:30 घंटे पूर्णांक 80

सूचना:

1 अंतिम प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. शेष चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए।

3. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई I पर)	20 अंक
प्रश्न 2. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई II पर)	20 अंक
प्रश्न 3. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई III पर)	20 अंक
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित इकाई IV पर)	20 अंक
प्रश्न 5. टिप्पणियाँ चार में से दो (चारों इकाइयों पर 1-1 प्रश्न)	20 अंक